जन सम्पर्क प्रकोष्ठ
राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विष्वविद्यालय, बीकानेर
Phone: 0151-2543419 (O) 2549348 (Fax) E-mail: prcrajuvas@gmail.co

क्रमांक 1787 15 जनवरी, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

वेटरनरी विश्वविद्यालय में उन्नत पशुपोषण पर पशुपालक प्रशिक्षण शिविर का समापन

पशुपालकों को वैज्ञानिक प्रशिक्षण से पशु उत्पादन बढ़ाया जा सकता है: वन मंत्री रिणवां

बीकानेर, 15 जनवरी। वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री राजकुमार रिणवां ने कहा कि राज्य में पशुधन किसान का मित्र है जिसने विपरीत परिस्थितियों में भी हमारा साथ देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सम्बल प्रदान किया है। कृषकों और पशुपालकों को वैज्ञानिक रूप से शिक्षण–प्रशिक्षण देकर पशुधन उत्पादन को बढ़ाने की क्षमता का विकास किया जा सकता है। श्री रिणवां शुक्रवार को वेटरनरी विश्वविद्यालय के सभागार में चूरू जिले से आए कृषकों और पशुपालकों के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने पशुधन चारा संसाधन प्रबंधन एवं तकनीक केन्द्र द्वारा हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से हरा चारा उत्पादन और उन्नत पशुपोषण विषय पर 52 पशुपालकों को सफल प्रशिक्षण के समापन पर प्रमाण पत्र प्रदान किए। वन मंत्री ने कहा कि राज्य में वर्षा और कुंओं पर आधारित कृषि तथा अकाल जैसी परिस्थितियों में पशुधन ने हमारा साथ दिया है। राज्य में देशी गौवंश, भेंड, बकरी से प्राप्त पशु उत्पाद उत्तम गुणवत्ता के हैं। सरकार द्वारा देशी गौवंश के समुचित विकास तथा कृषि क्षेत्र में फव्वारा और बूंद–बूंद सिंचाई पद्धति को प्रोत्साहन दिया जा रहा है जिससे राज्य के कृषक और पशुपालकों को बड़ा सम्बल मिल रहा है। इस अवसर पर वन मंत्री श्री रिणवां ने पशुधन चारा संसाधन प्रबंधन एवं तकनीक केन्द्र द्वारा पशुपालकों के लिए तैयार उन्नत पशुपोषण प्रशिक्षण संदर्शिका और टी.वी.सी.सी. राजुवास की "पशुचिकित्सा के नए आयाम" की पुस्तिकाओं का विमोचन किया। समारोह के विशिष्ट अतिथि वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने देश में कौशल विकास प्रशिक्षण में राज्य को बढ़त दिलाई है। इस कार्य में वेटरनरी विश्वविद्यालय भी पीछे नहीं है। 17 जिलों में स्थित विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों और संस्थाओं के माध्यम से पशुपालन से कृषकों और पशुपालकों की घरेलू आय में वृद्धि के लिए 50 क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। विश्वविद्यालय का लक्ष्य है कि आगामी 10 वर्षों में प्रतिवर्ष 20 हजार पशुपालक और कृषकों को पशुपालन संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सामर्थ्यवान हो जाए। पशुपालन के नवीन तकनीकी ज्ञान के प्रसार के साथ–साथ युवाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शीघ्र शुरू किये जायेंगे। इसके लिए युवाओं को ऑनलाईन आंमत्रित कर पशुपालन में कौशल युक्त बनाया जाएगा। समारोह में श्री सत्यप्रकाश आचार्य जिला भाजपा अध्यक्ष, विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो. राजेश कुमार धूड़िया, पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. आर.पी. नायक मंचासीन थे। समापन समारोह में मोहन सुराणा, उम्मेद सिंह राजपुरोहित, श्याम सिंह हाडला, किशोर आचार्य और सलीम भाटी सहित विश्वविद्यालय के डीन–डायरेक्टर, फैकल्टी सदस्य भी मौजूद थे। वेटरनरी कॉलेज के अधिष्ठाता प्रो. त्रिभुवन शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

समन्वयक
जनसम्पर्क प्रकोष्ठ